पाठ 17

4CG6QN

बादल चले गये वे

(प्रस्तुत कविता में बादल के माध्यम से कवि ने सुख और दुःख की बात कही है, जैसे बादल आते और चले जाते हैं, वैसे ही सुख-दुःख भी जीवन में आते हैं और चले जाते हैं।)

बना-बना कर

चित्र सलोने

यह सूना आकाश सजाया

राग दिखाया

रंग दिखाया

क्षण-क्षण छवि से चित्त चुराया

बादल चले गये वे ।

आसमान अब

नीला-नीला

एक रंग रस श्याम सजीला

धरती पीली

हरी रसीली

शिशिर-प्रभात समुज्ज्वल गीला

बादल चले गये वे।

दो दिन दुःख का

दो दिन सुख का

दुःख-सुख दोनों संगी जग में

कभी हास है

कभी अश्रु है

जीवन नवल तरंगी जग में

बादल चले गये वे

दो दिन पाहुन जैसे रह कर ।।

-त्रिलोचन

त्रिलोचन का जन्म 20 अगस्त सन् 1917 ई0 को सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनका वास्तविक नाम वासुदेव सिंह है। हिन्दी की आधुनिक प्रगतिशील कविता में त्रिलोचन का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। धरती, गुलाब और बुलबुल, दिगन्त, ताप के ताये हुए दिन, शब्द, इस जनपद का कवि हूँ, अरधान, तुम्हें सौंपता हूँ, चैती आदि आप के काव्य-संग्रह हैं। सन् 2007 में इनका देहावसान हो गया।

शब्दार्थ

सलोने=सुन्दर। **राग**=प्रेम। **सजीला** = सजा हुआ। **समुज्ज्वल**=सफेद चमकीला, प्रकाशवान। **नवल तरंगी**=नयी लहरों से युक्त। **पाहुन**=अतिथि, मेहमान।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

(क) बादल से संबंधित अन्य गीत, कविताओं का संकलन कीजिए।

(ख) बादल कैसे बनते है ? पता लगाकर लिखिए।

विचार और कल्पना

1. बताइए- आपको बादल कब-कब अच्छे लगते हैं, कब नहीं ?

2. आसमान में बदलों को उमड़ता-घुमड़ता देखकर कुछ लोग प्रसन्न हो जाते हैं और कुछ चिंतित। नीचे लिखे नामों में कौन प्रसन्न होता है और कौन चिंतित ? कारण भी लिखिए-

किसान, यात्री, मोर, कुम्भकार

3. आपने इन्द्रधनुष देखा होगा सोचकर बताइए कि इन्द्रधनुष में कौन-कौन से रंग होते हैं तथा इन्द्रधनुष कैसे बनते हैं ?

4. यदि कुछ वर्षा तक बादल आये ही नहीं अर्थात् पानी बिलकुल न बरसे तो क्या-क्या समस्याएँ आ सकती है ? सोचकर लिखिए।

5. आकाश में जब बादल छाये रहते हैं, तब उन्हें ध्यान से देखिए। उनमें विभिन्न आकृतियाँ दिखाई पड़ती हैं, उनमें जो भी आकृति आपको सबसे अच्छी लगे उसका चित्र कॉपी पर बनाकर अपने शिक्षक को दिखाइए।

कविता से

1. निम्नलिखित पद्यांशों का भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) दुःख-सुख..... चले गये वे।

(ख) एक रंग रस.....समुज्ज्वल गीला।

2. आशय स्पष्ट कीजिए -

रंग दिखाया, चित्त चुराया, श्याम सजीला, नवल तरंगी।

3. कविता में कुल तीन पद हैं। तीनो पदों के तुकान्त शब्दों को अलग-अलग जोड़ा बनाकर लिखिए।

4. बादल की तुलना पाहुन से क्यों की गयी है ?

भाषा की बात

1. ‘दुःख-सुख’ दोनों शब्द एक दूसरे के विपरीतार्थी हैं। इसी तरह के पाँच शब्द-युग्म लिखिए।

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए-

आकाश, धरती, प्रभात, बादल।

3. कविता में आए उन शब्दों को छाँटकर लिखिए जिनका अर्थ आपको नहीं पता है।

- इन शब्दों के अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखिए।

- अब इन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

इसे भी जानें

1. वर्षा जल संचय-वर्षा जल भूमि जल की पुनः पूर्ति करता है और नदियों के प्रवाह को बनाये रखने में सहायक होता है। परन्तु वर्षा जल का अधिकांश भाग ऐसे ही बह जाता है और बाढ़ का कारण बनता है। भविष्य में उपयोग के लिए छतों से वर्षा जल को पाइप की सहायता से बड़ी-बड़ी टंकियों, जलाशयों, पात्रों आदि में एकत्र किया जाता है। यह वर्षा जल संचय कहलाता है।

2. भारत भारती सम्मान- उ0 प्र0 हिन्दी संस्थान द्वारा साहित्य सृजन एवं हिन्दी की अनवरत सेवा हेतु दिया जाता है, इसकी स्थापना सन् 1986 ई0 में हुई।